

ॐ

सल
वि

॥ कलुष ॥

हनागकी ववाकूष्टं हृद्गनाजश्रवावविंश्रुताजी याजमोदाद्युमधुयष्टिसमेन्धवैश्रुत
मथावाह्निं नखपूषिततावर्ति न ताति सारागानि सस्त्रुमीति कात्रयं तासु यन्त्यातत्रुता
यमधुसर्पिसमवित्तादवसयथ तमं धावि सक्तं तगुति धेयं तव त ॥ ७ ॥ कवि विनति नायं संसा
सतव कविर्द्वेता सतस सलाकुतं विदुर्दूको कित सत्र कात्रक ॥ ८ ॥ वृद्धि मास रि नूत्ना कि ग
ॐ ॐ समरागे यियत्र मलव लवखाव यिमिमिल धागिममराग कावुनिकलाव
लवयिम विदुर्द्वेता सतस सलाकुतं विदुर्दूको कित सत्र कात्रक ॥ ९ ॥ वृद्धि मास रि नूत्ना कि ग
ॐ ॐ समरागे यियत्र मलव लवखाव यिमिमिल धागिममराग कावुनिकलाव
लवयिम विदुर्द्वेता सतस सलाकुतं विदुर्दूको कित सत्र कात्रक ॥ १० ॥ वृद्धि मास रि नूत्ना कि ग

१७५ प्रौद्योत्यं गु विमिरयाय गवाकूष्य मेमे विनवासात ASHA ARCHIVES 3478

यामनय ॥

१ किमिया शुत या सिन के, कामि नाम, वत्र कया, त विधि त लिख ॥

दृष्टा कलियुगसि वनयविषा॥ सलिकाक्षाम साधलवनयविषा॥ ॥ कस्तुरिहाला॥ ॥ साधलिय
 ला॥ हायास्यभि॥ कोकदादलनाउकोसथवयगयाधर॥ खेलसायदभमय॥ नेकालनेरववकयू
 वनय॥ झासखातोदिलेहकि॥ ॥ धलियामालककि॥ इइयापिमिलि॥ धनयायोदुसाधलि॥ गावयादि
 दन॥ गैयाधलिकि॥ कायायोदु॥ कादुसामनय॥ कादुयायोदु॥ कादुयागुधि॥ यालुयाधि॥ हादुयासधु॥ धिनु
 यायायिव॥ जूनवयाददवि॥ दलियामनव॥ लुसिलवलयियाजिलवि॥ इइधलि॥ धलया॥ काकलयिमान
 वकन॥ रुकन॥ काकन॥ सायुहि॥ लुति॥ म्यागयुदिकनले॥ विरुदावथका॥ गिलन॥ ॥ कूप॥ म्यावउइअदिक
 रुन॥ पावूनय॥ ह्याम॥ तिआयापायु॥ ॥ हिगलनले॥ लानय॥ ॥ लरव॥ अदिकगोत्र॥ रुनउविनय॥ ॥ यदाइइ
 मूदिकदय॥ सुथव॥ याकूवनय॥ ॥ लिनया॥ रुनउवि॥ ॥ धनकाले॥ नसनन॥ सोय॥ रुलिया॥ हा॥ नि॥ सानय॥ दि

॥ विनिमि. हिमनं वसन्तात्तु कृयादसंखसुनननके. किमिया ॥ धनकाया
वानेककाकिमिया. कदयाकिमिनेकेवयाहिद ॥ ॥ ॥

न०॥ ॥ माससुखाय ॥ वरुणावधूला ॥ धालनिनय ॥ ॥ गङ्गादितालासुधिनय ॥ ॥ उदित
थनला ॥ इन्दुनय ॥ ॥ कनिकाकोमला ॥ कस्तुरिनय ॥ ॥ यनलासुधिनय ॥ धालनय ॥ ॥ भाग्यावितालव
य ॥ माससुखाय ॥ ॥ अष्टादश ॥ ॥ अष्टादशकापिलेष्टि ॥ ॥ राक्षसाय ॥ वातदृष्टि ॥
यलका ॥ रुद्रादि ॥ मलय ॥ धुनिलेखसुधिनय ॥ मिखासुधिनय ॥ सनिकानलाव ॥ ॥ रिमनाउ ॥ विकनसुधिनय
निलासुधिनय ॥ दिन ॥ इवसुधिनय ॥ मिखासुधिनय ॥ विहावयलाव ॥ ॥ गालसुले ॥ साधसुधिनय ॥ स
लिलेष्टिनिव ॥ ॥ यलवर्णादान ॥ कामवल्लयिव ॥ ॥ इवभाद ॥ वल्लयिव ॥ ॥ भाव
द ॥ ॥ अष्टमयादिद ॥ ॥ विदनय ॥ अग्निवाधय ॥ यिव ॥ ॥ काकलखवर्णाद ॥ यितनाम ॥ ॥
रुमलसियाद ॥ नकायितनाम ॥ ॥ कलिललेखवर्णाद ॥ यितनाम ॥ ॥ कलवस

मिथ्यागजनाय॥
मिथ्यागजनाय॥
मिथ्यागजनाय॥

कि वगैदी॥ यिगनागलाव॥ ॥ यिसिमिल्लगाढा॥ करुनास॥ ॥ उल्लसु मधुलिखान मादल
ठिल्लखसुदि स्य धल्लगि वल्लयाय॥ यगिदावक कं नास॥ ॥ आयुमनि मादलठि यगधलवदाल
याय॥ यगिदावक कं नास॥ ॥ वादाया लोदा सिनामलिद्याव लंखनदि स्ययाय॥ द्यागलसुवक॥
॥ हनउय॥ अरुवलेया धल्लया साखल्लया यियलिक १५ धगिमिल्ललर्य मंस ५ नक॥ मिथ्यागजनाय॥
यू॥ ॥ यिमून रिमनाज सदयस्य रलान विकनसदास्यगान॥ ककुवागयालाव॥ ॥ लादा
यादासल गच्छा अम्वल निम्वयसल धगमिसकु स्ययाय॥ वागया॥ ॥ रुमि विकनसदि
स्यगय दिन॥ निशालयाय मालसगलक॥ गीयावसलसि॥ ॥ मिगखायाल कूयादखया
१ मात्रकं कनिनन नू मलदयकयात ॥ ॥ ययं मुनयनू मलदयकयात धनिता अमिहि कवाद्य ॥

मिथ्यागजनाय॥
मिथ्यागजनाय॥
मिथ्यागजनाय॥

१ करुया कविदुन नव दुनाखस कदागान क गजो वा सनथ॥
लदधन खालगियाव वायुसिसकु य धरवायाल विकनायमगु ५ शीषने कलठिगनास सग
ठिसिला धलवमिल्लयावयाय॥ गकार्यमलावकुदव॥ ॥ कल्लसदलनस्य मलभावालीय
य॥ रलिककुलाव॥ ॥ चलरुनिखि वंसलान यिल्लसक्रास्य गदुसगय॥ मगुवधनलाव॥
मलव सोराजेन कलज समरागन दिर्य वूनयानके॥ सिगजालनास॥ ॥ वालल कन यिसि
माल धगभाखुदगल॥ कादुस्यवाकवाकवद ककुलाव॥ ॥ सकथालउलवलाव ५ ठिगद
लध उल्लरुदके उल्लउल्लय केमल्लकालवा १० लंख ३२ दास्यगान॥ वागपिगजालनास॥ ॥
गुठयु ३००॥ खाकन मूक खादु ~~खि~~ अदस धगसमरागन लंखनदि स्य साखल्लनरुगस्य
१ लंखवृत्त समउदल यिपी संधु अतसमराग हिदुवद्विदु कतयय न स्या कयतसु नकाकायाहिदु अतवृत्त
याका ५५ केनयराडा ३५ लंखसकु स्यगान नउ अतिद ॥ ॥

[illegible]

五

[illegible][illegible]